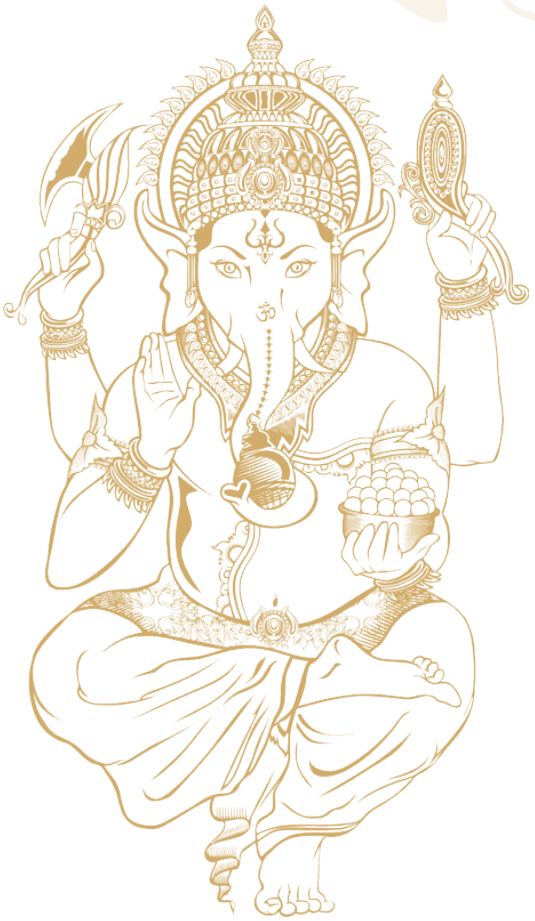

noratan

khushbu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121848401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121848401 Date: 07/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/10/2008	जन्म तिथि	15/01/2008
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:15:00	जन्म समय	15:15:00 घंटे
घटी 36:55:29	जन्म समय(घटी)	19:38:01 घटी
India	देश	India
Sojat River	स्थान	Sojat River
25:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
73:45:00 पूर्व	रेखांश	73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:00	स्थानिक संस्कार	-00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:48	सूर्योदय	07:23:47
18:18:09	सूर्यास्त	18:04:49
23:58:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:58:19

वृष	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	मीन
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
ज्येष्ठा	नक्षत्र	रेवती
बुध	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	3
आयुष्मान	योग	शिव
कौलव	करण	विष्टि
नो-नौनिहाल	जन्म नामाक्षर	चा-चांदनी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	गज
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 0मा 7दि		12:32:17	वृष	लग्न	वृष	23:09:10	बुध 6वर्ष 1मा 2दि	
केतु		17:48:15	कन्या	सूर्य	मक	00:38:29	शुक्र	
13/10/2023		18:13:10	वृश्चि	चंद्र	मीन	25:13:24	16/02/2021	
12/10/2030		06:19:57	तुला	मंगल व	मिथु	01:41:43	16/02/2041	
केतु	10/03/2024	22:33:15	कन्या व	बुध	मक	17:22:57	शुक्र	18/06/2024
शुक्र	10/05/2025	19:38:57	धनु	गुरु	धनु	12:18:41	सूर्य	18/06/2025
सूर्य	15/09/2025	18:51:46	तुला	शुक्र	वृश्चि	25:04:57	चन्द्र	17/02/2027
चन्द्र	16/04/2026	21:42:16	सिंह	शनि व	सिंह	13:56:52	मंगल	18/04/2028
मंगल	12/09/2026	22:51:34	मक व	राहु	कुंभ	04:12:11	राहु	19/04/2031
राहु	30/09/2027	22:51:34	कर्क व	केतु	सिंह	04:12:11	गुरु	18/12/2033
गुरु	05/09/2028	25:51:24	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	21:54:40	शनि	16/02/2037
शनि	15/10/2029	27:42:30	मक व	नेप	मक	26:45:29	बुध	18/12/2039
बुध	12/10/2030	04:41:04	धनु	प्लूटो	धनु	05:40:35	केतु	16/02/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:58:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:58:19

लग्न-चलित

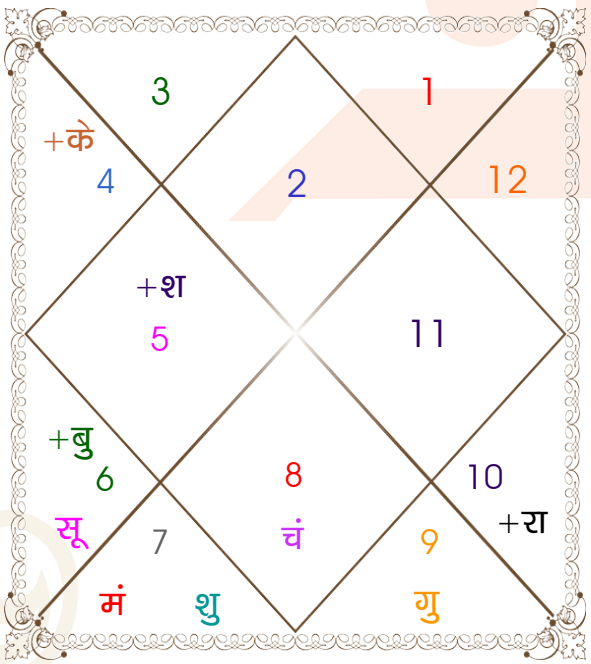

लग्न-चलित

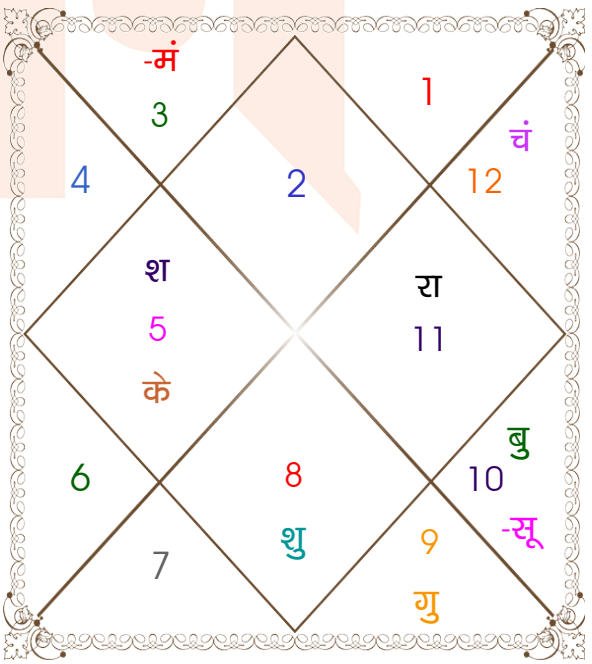

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

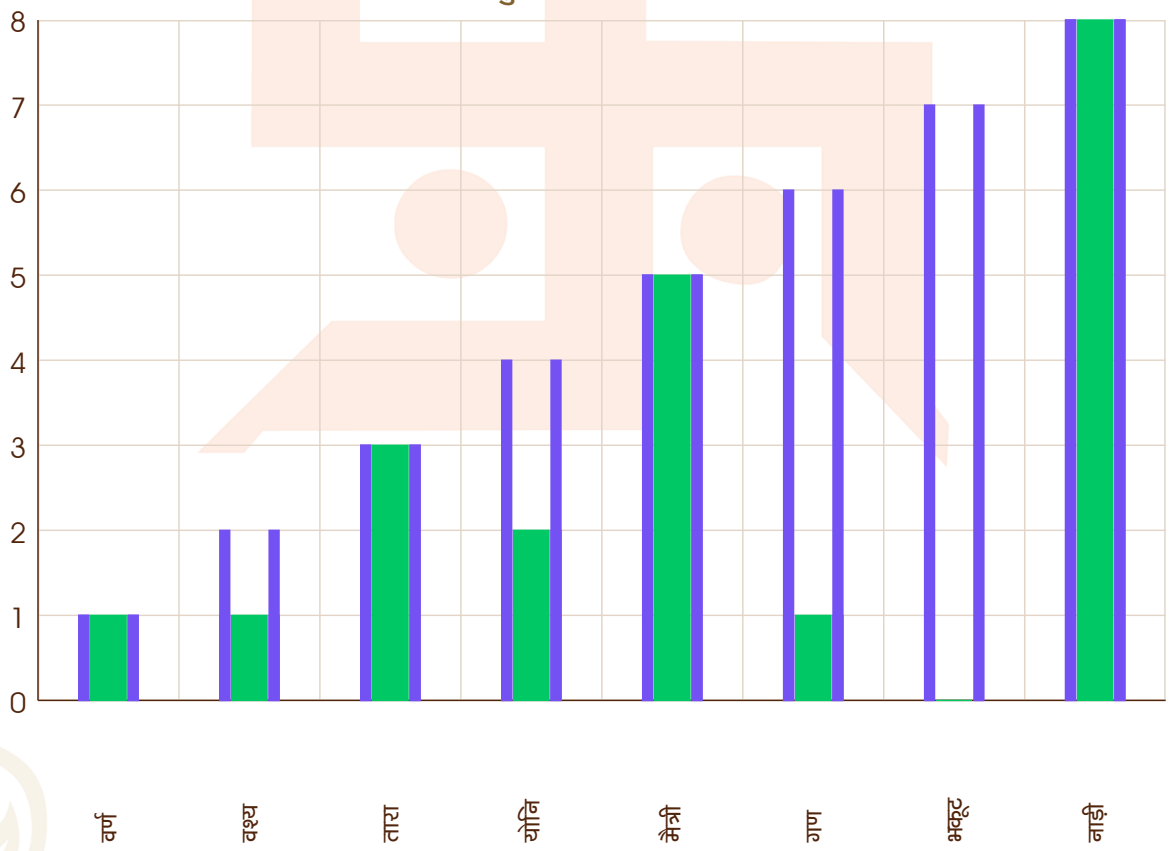

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

दवतंजंद का वर्ग सर्प है तथा khushbu का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार दवतंजंद और khushbu का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

दवतंजंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

khushbu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

दवतंजंद तथा khushbu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

दवतंजंद का वर्ण ब्राह्मण तथा khushbu का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

दवतंजंद का वश्य कीट है एवं khushbu का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट आपस में न तो मित्र होते हैं और न ही शत्रु। अतः कीट दवतंजंद एवं जलचर khushbu के बीच वैवाहिक संबंध उदासीनता तथा प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। जिसके कारण इनका जीवन नीरस हो सकता है। अधिकांश समय दोनों समझौता करके तालमेल बनाने में व्यतीत करेंगे किंतु डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है अतः दवतंजंद यदा-कदा अस्वाभाविक व्यवहार कर सकता है जिससे khushbu शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आहत हो सकती है।

तारा

दवतंजंद की तारा जन्म तथा khushbu की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

दवतंजंद की योनि मृग है तथा khushbu की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में दवतंजंद एवं khushbu दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि दवतंजंद एवं khushbu के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण दवतंजंद एवं khushbu जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

दवतंजंद का गण राक्षस तथा khushbu का गण देव है। अर्थात khushbu का गण दवतंजंद के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दवतंजंद निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही दवतंजंद का khushbu के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। khushbu हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

दवतंजंद से khushbu की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा khushbu से दवतंजंद की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण khushbu को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

दवतंजंद की नाड़ी आद्य है तथा khushbu की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। दवतंजंद की आद्य नाड़ी तथा khushbu की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

दवतंजंद की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा khushbu की राशि जलतत्व युक्त मीन है। अतः इसके प्रभाव से इनकी स्वभावगत विशेषताओं में समता रहेगी तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

दवतंजंद की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा khushbu की जन्म राशि का स्वामी गुरू परस्पर मित्र भाव में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से दवतंजंद और khushbu के मध्य प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे एवं सच्चे मित्र की भांति गलतियों की उपेक्षा करके मधुर संबंध बनाए रखेंगे जिससे दवतंजंद और khushbu का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

दवतंजंद और khushbu की जन्म राशि परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्र के अनुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से दवतंजंद और khushbu के मध्य श्रेष्ठता एवं अंहकार के भाव की उत्पति होगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव एवं कटुता का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के प्रति विरोध एवं आलोचना के भाव का भी दृष्टिकोण रहेगा। अतः यदि दवतंजंद और khushbu परस्पर सामंजस्य की प्रवृति से व्यवहार करें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा उनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

दवतंजंद का वश्य कीट तथा khushbu का वश्य जलचर है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समता का भाव विद्यमान रहेगा। अतः काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे ।

दवतंजंद और khushbu दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमता समान होगी तथा शैक्षणिक धार्मिक एवं अन्य सत्कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में भी सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

दवतंजंद और khushbu का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से दवतंजंद और khushbu सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

दवतंजंद को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

दवतंजंद की नाड़ी आद्य तथा khushbu की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से दवतंजंद और khushbu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त दवतंजंद और khushbu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में khushbu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन khushbu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में khushbu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से दवतंजंद और khushbu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार दवतंजंद और khushbu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

khushbu के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से khushbu किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। khushbu के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा

सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से khushbu को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा khushbu को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से khushbu के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार khushbu के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

दवतंजंद तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में दवतंजंद के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से दवतंजंद के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण दवतंजंद के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।